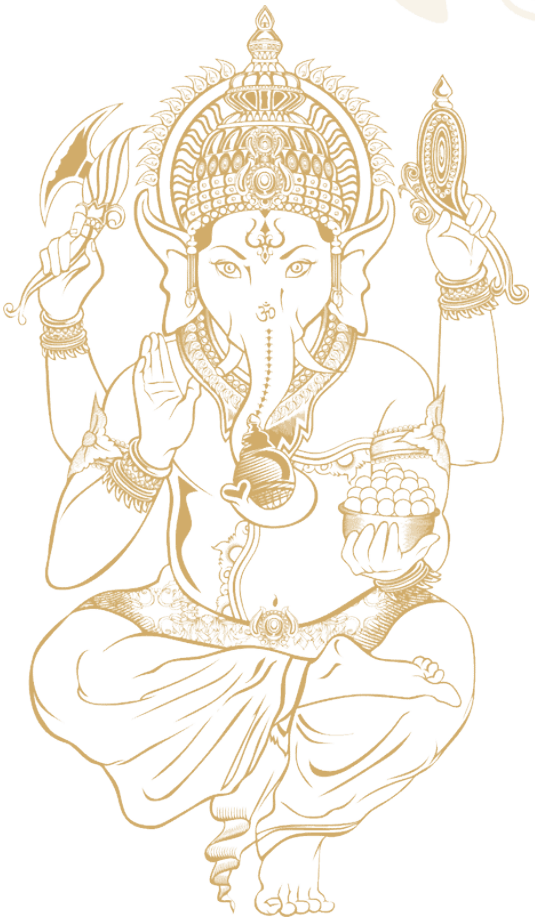

Karan

14 Feb 1992

06:55 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120326303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/02/1992**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:55:00 घंटे**
इष्ट	29:44:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:33:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	04:09:10 घंटे
सूर्योदय	07:01:19 घंटे
सूर्यास्त	18:09:43 घंटे
दिनमान	11:08:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:21:25 कुम्भ
लग्न के अंश	11:56:55 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	विष्कुम्भ
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	11:56:55	313:58:22	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	01:21:25	01:00:37	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	08:36:03	14:29:32	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			मक	03:28:19	00:45:47	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	कुंभ	03:05:09	01:48:43	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		सिंह	17:46:41	00:07:16	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मक	01:09:04	01:13:55	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि			मक	17:20:46	00:07:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	स्वराशि
राहु			धनु	15:10:39	00:00:32	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
केतु			मिथु	15:10:39	00:00:32	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	नीच राशि
हर्ष			धनु	22:27:08	00:02:59	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप			धनु	24:04:29	00:01:54	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:10:22	00:00:22	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			वृष	10:31:34	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:08

लग्न-चलित

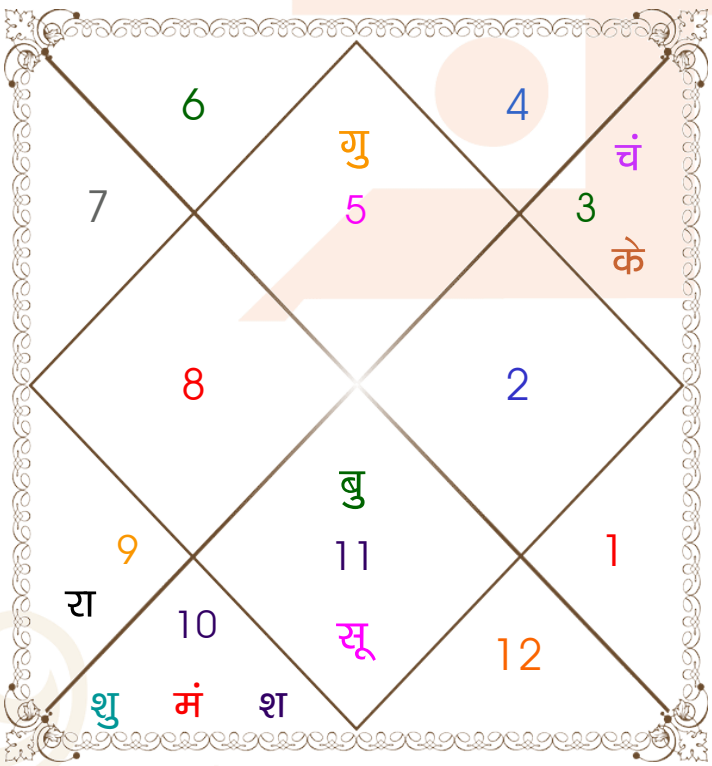

चन्द्र कुंडली

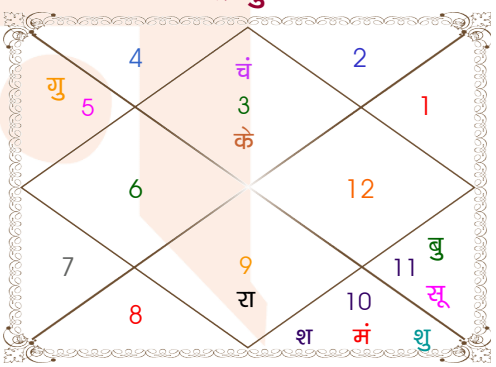

नवमांश कुंडली

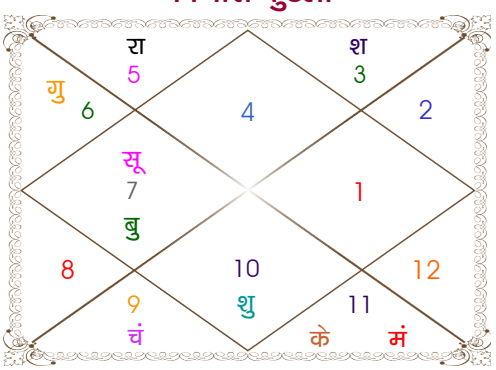

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member: All India federation of Astrologers Society
Professor colony Raipur
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 4 मास 20 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/02/1992		06/07/2007		06/07/2023		06/07/2042		06/07/2059	
06/07/2007		06/07/2023		06/07/2042		06/07/2059		06/07/2066	
राहु	18/03/1992	गुरु	23/08/2009	शनि	09/07/2026	बुध	01/12/2044	केतु	02/12/2059
गुरु	11/08/1994	शनि	06/03/2012	बुध	18/03/2029	केतु	29/11/2045	शुक्र	31/01/2061
शनि	17/06/1997	बुध	11/06/2014	केतु	27/04/2030	शुक्र	29/09/2048	सूर्य	08/06/2061
बुध	05/01/2000	केतु	18/05/2015	शुक्र	26/06/2033	सूर्य	05/08/2049	चंद्र	07/01/2062
केतु	22/01/2001	शुक्र	16/01/2018	सूर्य	08/06/2034	चंद्र	04/01/2051	मंगल	05/06/2062
शुक्र	23/01/2004	सूर्य	05/11/2018	चंद्र	08/01/2036	मंगल	02/01/2052	राहु	24/06/2063
सूर्य	17/12/2004	चंद्र	06/03/2020	मंगल	16/02/2037	राहु	21/07/2054	गुरु	30/05/2064
चंद्र	18/06/2006	मंगल	09/02/2021	राहु	24/12/2039	गुरु	26/10/2056	शनि	09/07/2065
मंगल	06/07/2007	राहु	06/07/2023	गुरु	06/07/2042	शनि	06/07/2059	बुध	06/07/2066

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/07/2066		06/07/2086		05/07/2092		07/07/2102		07/07/2109	
06/07/2086		05/07/2092		07/07/2102		07/07/2109		00/00/0000	
शुक्र	04/11/2069	सूर्य	23/10/2086	चंद्र	06/05/2093	मंगल	03/12/2102	राहु	15/02/2112
सूर्य	05/11/2070	चंद्र	24/04/2087	मंगल	05/12/2093	राहु	21/12/2103		00/00/0000
चंद्र	05/07/2072	मंगल	30/08/2087	राहु	06/06/2095	गुरु	26/11/2104		00/00/0000
मंगल	04/09/2073	राहु	24/07/2088	गुरु	05/10/2096	शनि	05/01/2106		00/00/0000
राहु	04/09/2076	गुरु	12/05/2089	शनि	06/05/2098	बुध	02/01/2107		00/00/0000
गुरु	06/05/2079	शनि	24/04/2090	बुध	05/10/2099	केतु	01/06/2107		00/00/0000
शनि	06/07/2082	बुध	28/02/2091	केतु	06/05/2100	शुक्र	31/07/2108		00/00/0000
बुध	06/05/2085	केतु	06/07/2091	शुक्र	05/01/2102	सूर्य	06/12/2108		00/00/0000
केतु	06/07/2086	शुक्र	05/07/2092	सूर्य	07/07/2102	चंद्र	07/07/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।